परिवार कल्याण एवं मातृ शिशु कल्याण कार्यक्रम

राश्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य		
	वर्तमान स्थिति	2010 हेतु अपेक्षित स्तर
जन्म दर	**25.2**	**<21**
मृत्यु दर	**8.7**	**N.A**
शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म	**70**	**<30**
मातृ मृत्यु दर प्रति लाख जीवित जन्म	**407**	**<100**
सकल प्रजनन दर	**2.79**	**2.1**
दम्पत्ति प्रतिरक्षण दर	**62.12%**	**65%**
दम्पत्ति प्रतिरक्षण दर (स्थायी विधियों द्वारा)	**41.52%**	**50%**

परिवार कल्याण कार्यक्रम दसवीं पंचवर्षीय योजना में प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम के रूप में चलाया जा रहा है । प्रजनन एवं शिशु कल्याण गतिविधियों के संचालन हेतु समुदाय की आवश्यकता का आंकलन किया जाता है, इसके अन्तर्गत समुदाय की आवश्यकता अनुरूप वर्ष भर का कार्यक्रम तैयार कर सेवाओं की प्रदायगी सुनिश्चित की जाती है । कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं तथा प्रसव जनित संक्रमण, यौन जनित रोग की रोकथाम के उपाय भी सम्मिलित किये गये हैं । सभी कार्यक्रम एकीकृत करके उत्तम गुणवत्ता को ध्यान में रखकर चलाए जा रहे हैं । आपात प्रसूति सेवाओं हेतु प्राथमिक संदर्भन इकाइयों के माध्यम से प्रसूति कार्य को सुरक्षित ढंग से संपादित कराया जाता है ।

परिवार कल्याण कार्यक्रम की उपलब्धियाँ :–

क्र.	वर्ष	नसबंदी			लूप निवेशन			निरोध उपयोगकर्ता			ओपी उपयोगकर्ता		
		लक्ष्य	उप.	प्रति.	लक्ष्य	उप.	प्रति.	लक्ष्य	उप.	प्रति.	लक्ष्य	उप.	प्रति.
1	2002-03	109779	115298	105-03	132980	102347	76-96	366604	383550	104-62	220072	234179	106-41
2	2003-04	115608	115848	100-21	128393	99136	77-21	357802	342106	95-61	196665	205197	104-34
3	2004-05	116841	124478	106-54	117116	103483	88-36	314558	258248	82-10	181140	158166	87-32
4	2005-06	122924	124499	101-28	118853	107198	90-19	314236	286331	91-12	194550	188189	96-73

मातृ एवं शिशु कल्याण कार्यक्रम की उपलब्धियाँ :–

वर्ष	टीटी गर्भवती महिला			डी.पी.टी.			पोलियो			बी.सी.जी.			मीजल्स		
	लक्ष्य	उप.	प्रति.	लक्ष्य	उप.	प्रति.	लक्ष्य	उप.	प्रति.	लक्ष्य	उप.	प्रति.	लक्ष्य	उप.	प्रति.
2002-03	650703	622184	95-62	587369	576715	98-19	587369	576427	98-14	587369	620166	105-58	587369	608190	103-54
2003-04	662268	619344	93-52	599930	570635	95-12	599930	570575	95-11	599930	602408	100-41	599930	548483	91-42
2004&05	658722	630905	95-78	591034	583075	98-65	591034	583672	98-75	591034	600341	101-57	591034	572890	96-93
2005-06	663356	660073	99-51	600609	626905	104-38	600609	626835	104-37	600609	639191	106-42	600609	616913	102-71

पल्स पोलियो अभियान वर्ष 2005ः–

राष्ट्रव्यापी पल्स पोलियो अभियान की सफलता का अंदाज इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि विगत 3 वर्षों में पोलियो के एक भी धनात्मक प्रकरण प्रदेश में दर्ज नहीं हुये हैं ।

प्रथम चरण 10 अप्रेल 2005		द्वितीय चरण 15 मई 2005	
हितग्राही	: उपलब्धि	हितग्राही	: उपलब्धि
3409556	99.9	3421417	99.75

पल्स पोलियो अभियान वर्ष 2004ः–

प्रथम चरण 4 जनवरी 2004		द्वितीय चरण 22 फरवरी 2004		तृतीय चरण 4 अप्रैल 2004		चतुर्थ चरण 10 अक्टूबर 2004		पंचम चरण 21 नवम्बर 2004	
हितग्राही	: उपलब्धि	हितग्राही	: उपलब्धि	हितग्राही	: उपलब्धि	हितग्राही	: उपलब्धि	हितग्राही	: उपलब्धि
3342406	100.17	3355028	100.22	3357830	99.73	3392013	100.35	3429726	100.80

<u>नवीन योजनाऐं :–</u>

<u>मितानिन कार्यक्रमः–</u> समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक व चैतन्य बनाने के लिये तथा स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने के सन्दर्भ में प्रति बसाहट प्रशिक्षित स्वास्थ्य प्रहरी के रूप में मितानिन का चयन किया गया है । समुदाय के उसी वर्ग से चयनित मितानिन जिनकी सेवाओं हेतु मितानिन को नामांकित किया गया है इनकी भूमिका सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य की बेहतरी तक सीमित ना रह कर महिला सशक्तिकरण तथा पंचायत की भूमिका को स्वास्थ्य के क्षेत्र में विस्तार देने की भी है ।

प्रदेश में अब तक 60591 मितानिनों का चयन किया जा चुका है जिसमें से 34307 मितानिनें लगभग पूर्ण प्रशिक्षित हो चुकी हैं । शेष 26000 का भी प्रशिक्षण कार्य आरंभ किया जा चुका है । प्रसूति सेवायें, टीकाकरण, महामारी नियंत्रण, पोषण आहार योजना, सामान्य बीमारियों से बचाव व उपचार के विषय में सेवाओं की प्रदायगी भी मितानिनों के माध्यम से की जा रही है ।

राज्य शासन छ0ग0 की इस नवीनतम योजना को देश में आशा के नाम से आरंभ किया गया है । इस योजना को विस्तारित करते हुये अब मितानिनों को मुख्यमंत्री दवा पेटी योजना के अन्तर्गत 34000 मितानिनों को दवा पेटी दी जा चुकी है।

जननी सुरक्षा योजना– यह योजना मौजूदा राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना (एनएमबीएस) के संशोधन के रूप में प्रांरभ की जा रही है । इस योजना के तहत् मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में कमी लाना तथा बीपीएल परिवारों में संस्थागत प्रसवों में वृद्धि करना है । संस्थागत प्रसव के बाद गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही महिला को रू. 700 ग्रामीण क्षेत्र के लिए तथा रू. 600 शहरी क्षेत्र के लिए आर्थिक सहायता दी जावेगी।

सेवाओं को सर्वग्राहय बनाते हुये राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य योजना अन्तर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य को बेहतर स्वरूप व छत्तीसगढ़ की ग्रामीण जनसंख्या के अनुरूप व्यवस्थापन के

उद्देश्य से 874 नये उप स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना राज्य के विभिन्न ग्रामों में की जा रही है ।

प्राथमिक सन्दर्भन इकाइयों **(first referral units - FRU)** का सुदृढ़ीकरण

प्रदेश में आपात प्रसूति, आवश्यक प्रसूति सेवाओं को गुणवत्ता धारी बनाने व ग्राह्यता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश की वर्तमान मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये प्राथमिक सन्दर्भन इकाइयों एफआरयू का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है । चयनित विकासखण्डों में आपात् प्रसूति सेवायें जिसके अन्तर्गत जटिलता वाले प्रसवों का निदान संस्थागत प्रसव के द्वारा बेहतर किया जा सके, इस आशय से 32 विकासखण्डों को फर्स्ट रेफरल यूनिट एफआरयू के नाम से चिन्हित कर सेवा प्रारंभ किया गया है । इन 32 एफआरयू में भवन की अधोसंरचना से लेकर, कार्यकर्ताओं व चिकित्सकों की दक्षता बढ़ाने हेतु बहु कौशल प्रशिक्षण तथा आपात प्रसूति सेवाओं की प्रदायगी हेतु आपरेशन थियेटर व उपकरणों की व्यवस्था की गई है । प्रति वर्ष फर्स्ट रेफरल यूनिट की संख्या में वृद्धि किया जाना प्रस्तावित है ताकि सभी विकासखण्डों में आपात् प्रसूति सेवाओं की व्यवस्था उपलब्ध हो सके , प्राथमिक सन्दर्भन इकाइयों की स्थापना तथा प्रसूति सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाये जाने के अलावा एफ.आर.यू. से जुड़े क्षेत्र के सामुदायिक, प्राथमिक व उप स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक व बुनियादी प्रसूति सेवाओं की प्रदायगी सुनिश्चित करवा संस्था के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है ।

इस हेतु मूल उद्देश्य सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को आई.पी.एच.एस. (प्दकपंद च्नइसपब भ्मंसजी ैजंदकंतकेद्ध स्तर तक लाना है। इसके विशेषज्ञ चिकित्सकों के नियुक्ति की आवश्यकता होगी, और विशेषज्ञ उपलब्ध न हो तो वहॉ चिकित्सकों को बहु–उद्देशीय प्रशिक्षण देकर कमी को पूरा किया जावेगा।

क्र.	जिले का नाम	प्राथमिक संवर्धन ईकाईयॉ **FRU**	
1	रायपुर	तिल्दा	भाटापारा
2	महासमुन्द	बागबहारा	रायपाली
3	धमतरी	कुरूद	मगरलोड
4	दुर्ग	बालोद	डोन्डी
5	राजनांदगांव	डोंगरगांव	डोंगरगढ़
6	कवर्धा	बोड़ला	सरसपुर लोहारा
7	बस्तर	बकावण्ड	माकण्डी
8	कांकेर	अंतागढ़	कोयलीबेड़ा
9	दन्तेवाड़ा	बीजापुर	सुकमा
10	बिलासपुर	मूंगेली	मस्तुरी
11	जांजगीर	जयजयपुर	बम्हनीडीह
12	कोरबा	कटघोरा	पोड़ी उपरोड़ा
13	रायगढ़	लैलूंगा	धरमजयगढ़
14	जशपुर	फरसाबहार	जशपुर
15	सरगुजा	उदयपुर	रामानुजनगर
16	कोरिया	सोनहट	खड़गांव